राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान
National Institute for Locomotor Disabilities (Divyangjan)
(दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ,भारत सरकार)
(Department of Empowerment of PwDs (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India)
बी.टी .रोड बनहुगली- / B.T. Road, Bon-Hooghly, कोलकाता / Kolkata-700090

भौतिक चिकित्सा विभाग

"लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स की मैनुअल थेरेपी"

पर व्यावहारिक कार्यशाला की रिपोर्ट

दिनांक: 21 और 22 फरवरी, 2026

कोलकाता स्थित राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान (NILD) के भौतिक चिकित्सा विभाग द्वारा 21 और 22 फरवरी 2026 को "लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स हेतु मैनुअल थेरेपी" विषय पर एक दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भौतिक चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच 'लम्बो-पेल्विक डिसफंक्शन' के सटीक मूल्यांकन एवं उपचार से संबंधित सैद्धांतिक ज्ञान और नैदानिक कौशल को और अधिक सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. ललित नारायण द्वारा किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर डॉ. अमीद इकबाल,सहायक आचार्य एवं सहायक निदेशक (प्रशिक्षण), श्री प्रवीण कुमार सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष-भौतिक चिकित्सा तथा डॉ. उमाशंकर मोहंती पीएचडी, संस्थापक अध्यक्ष- मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया® एवं विषय विशेषज्ञ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह का औपचारिक शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान के प्रसार का प्रतीक है। इसके पश्चात मुख्य विषय विशेषज्ञ का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। संस्थान के सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (भौतिक चिकित्सा), श्री प्रवीण कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने उपस्थित गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन किया।

अपने उद्घाटन अभिभाषण में संस्थान के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने मस्कुलोस्केलेटल विकारों विशेष रूप से 'लम्बो-पेल्विक' स्थितियों के प्रबंधन में मैनुअल थेरेपी के नैदानिक महत्व पर बल दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि इस प्रकार की व्यावहारिक कार्यशालाएँ छात्रों और पेशेवरों को उन व्यावहारिक दक्षताओं से लैस करती हैं, जो साक्ष्य-आधारित भौतिक चिकित्सा अभ्यास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

वहीं, संस्थान के सहायक आचार्य एवं सहायक निदेशक-(प्रशिक्षण)), डॉ. अमीद इकबाल ने समकालीन भौतिक चिकित्सा के क्षेत्र में इस विषय की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों और अभ्यासकर्ताओं के बीच उन्नत कौशल विकास की आवश्यकता को भी रेखांकित किया ताकि वे आधुनिक चिकित्सा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

सम्मान के प्रतीक स्वरूप, डॉ. उमाशंकर मोहंती द्वारा 'मैनुअल थेरेपी' पर लिखित दो पुस्तकें संस्थान के निदेशक को भेंट की गईं।

कार्यशाला के प्रथम दिन **(21/02/2026)** के प्रथम सत्र की शुरुआत डॉ. उमाशंकर मोहंती के प्रारंभिक व्याख्यान के साथ हुई। उन्होंने मैनुअल थेरेपी की मूलभूत अवधारणाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें मुख्य विषय शामिल थे: मैनुअल थेरेपी के सिद्धांत और दर्शन , लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स की लम्बर स्पाइन और पेल्विक क्षेत्र की सतही शारीरिक रचना , मोबिलाइजेशन के विभिन्न ग्रेड्स और उनके नैदानिक अनुप्रयोग । इस सत्र ने शारीरिक संरचनाओं को नैदानिक मूल्यांकन रणनीतियों के साथ जोड़ते हुए एक सुदृढ़ सैद्धांतिक आधार तैयार किया।

इसके पश्चात के सत्रों में विस्तृत व्याख्यान और निम्नलिखित विषयों का जीवंत प्रदर्शन शामिल रहा:लम्बो-पेल्विक डिसफंक्शन के लिए मूल्यांकन तकनीकें, पालपेशन कौशल और शारीरिक संरचनात्मक

चिह्नों की पहचान, लम्बर स्पाइन मोबिलाइजेशन तकनीके, विभिन्न प्रकार के मोबिलाइजेशन ग्लाइड्स और उनके चिकित्सीय संकेत । प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रायोगिक अभ्यास सत्र आयोजित किए गए, जहाँ प्रतिभागियों ने विषय विशेषज्ञ की देखरेख में इन तकनीकों का अभ्यास किया। इस संवादात्मक प्रारूप के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी शंकाओं का समाधान करने और अपने मैनुअल कौशल को और अधिक निखारने का अवसर प्राप्त हुआ।

द्वितीय दिवस का विवरण (22/02/2026): कार्यशाला का दूसरा दिन मुख्य रूप से सैक्रोइलियक (SI) जोड़ और इसके नैदानिक प्रभावों पर केंद्रित रहा। इन सत्रों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषय शामिल थे: सैक्रोइलियक (SI) जोड़ की प्रकार्यात्मक शारीरिक रचना और बायोमैकेनिक्स, सैक्रोइलियक डिसफंक्शन का नैदानिक मूल्यांकन, सैक्रोइलियक SI जोड़ के लिए विशिष्ट मोबिलाइजेशन तकनीकों और ग्लाइड्स का प्रदर्शन, उपयुक्त मोबिलाइजेशन ग्रेड के चयन में नैदानिक तर्क । प्रतिभागियों ने मुख्य विशेषज्ञ की देखरेख में प्रदर्शित सभी तकनीकों का सक्रिय रूप से अभ्यास किया। इस दौरान हाथों की सही स्थिति, बल की दिशा और रोगी की स्थिति की सटीकता को सुनिश्चित की गई। सैद्धांतिक अवधारणाओं और नैदानिक अनुप्रयोगों के प्रति प्रतिभागियों की समझ का आकलन करने के लिए सत्रों के मध्य एक मूल्यांकन परीक्षा भी आयोजित की गई।

यह दो दिवसीय कार्यशाला का समापन दीक्षांत सत्र द्वारा हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. ललित नारायण, तथा मुख्य विशेषज्ञ डॉ. उमाशंकर मोहंती और भौतिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष द्वारा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में भौतिक चिकित्सा पेशेवरों, स्नातकोत्तर छात्रों, इंटर्न, स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों और संकाय सदस्यों सहित कुल 71 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल समन्वयन श्री बिभूति सरकार ,प्रभारी प्राध्यापक-भौतिक चिकित्सा, रागदिसं द्वारा किया गया, कार्यक्रम के अंत में उन्होंने धन्यवाद-प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्थान

के निदेशक, मुख्य विशेषज्ञ, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और रागदिसं प्रशासन के प्रति उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस कार्यशाला ने 'लम्बो-पेल्विक मैनुअल थेरेपी' में व्यावहारिक नैदानिक कौशल को बढ़ाने, मस्कुलोस्केलेटल भौतिक चिकित्सा में नैदानिक तर्क को सुदृढ़ करने और पेशेवर विकास के साथ-साथ साक्ष्य-आधारित अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, इसने

प्रतिभागियों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान और नेटवर्किंग को भी सुगम बनाया। दो दिवसीय इस कार्यशाला की इसके व्यावहारिक अभिविन्यास, संवादात्मक शिक्षण शैली और नैदानिक प्रासंगिकता के लिए प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई। भौतिक चिकित्सा के क्षेत्र में कौशल संवर्धन और पेशेवर प्रगति में इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विभिन्न प्रिंट मीडिया संस्थानों द्वारा इस कार्यक्रम को व्यापक कवरेज प्रदान की गई :

Several Print Media has given wide coverage to the program:

आशीष शर्मा ने बताया यह भाईचारा का प्रतीक है।

जाना, बीमारों का हॉस्पिटल पहुंचना और यहां तक कि रोजमर्रा की जरूरत का सामान खरीदना भी मुश्किल हो जाता है।

सफाई व संरक्षण पर काम किया गया है। मिशन का लक्ष्य है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को अधिक स्वच्छ और संतुलित रूप में संरक्षित किया।

मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय कार्यशाला

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना ही उद्देश्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 21-22 फरवरी, 2026 को मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों की कौशल को बढ़ाना था, विशेष रूप से लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स से संबंधित मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन में।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता ने डॉ. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-कम-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआईएलडी; श्री प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआईएलडी, कोलकाता; और डॉ. उमाशंकर मोहन्ती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष और वर्कशॉप के रिसोर्स पर्सन की उपस्थिति में किया।

वर्कशॉप में लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स से जुड़ी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स शामिल हैं।

फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दो दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने डॉ. उमाशंकर मोहन्ती के नेतृत्व में हैंड्स-ऑन सत्रों में भाग लिया।

जिसमें निम्नलिखित विषयों को जैसे : लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स डिसफंक्शन के आकलन की तकनीकें, लम्बर स्पाइन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट्स के लिए मोबिलाइज़ेशन तकनीकें, आम स्थितियों जैसे कि लो बैक पेन और सैक्रो-इलियाक जॉइंट डिसफंक्शन के लिए मैनुअल थेरेपी तकनीकों का व्यावहारिक अनुप्रयोग को शामिल किया गया।

श्री विभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ वर्कशॉप का समापन हुआ। एनआईएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कोलकाता. मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स पर दो दिवसीय कार्यशाला में मौजूद अतिथि।

राजस्थान पत्रिका - 23 फरवरी, 2026

23rd February 2026, Rajasthan Patrika

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान में वर्कशॉप का आयोजन

कोलकाता, 22 फरवरी (नि.प्र.)। राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने 21-22 फरवरी, 2026 को ''मैनुअल थेरेपी फॉर लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स'' पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों की कौशल को बढ़ाना था, विशेष रूप से लम्बर स्पाइन और सैक्रों-इलियाक जॉइंट्स से संबंधित मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन में। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ललित नारायण, निदेशक, एनआईएलडी, कोलकाता ने डॉ. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-कम-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआईएलडी; श्री प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआईएलडी, कोलकाता; और डॉ. उमाशंकर मोहन्ती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष और वर्कशॉप के रेसोर्स पर्सन की उपस्थिति में किया। वर्कशॉप में लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स से जुड़ी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के आकलन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें लम्बर स्पाइन और सैक्रों-इलियाक जॉइंट्स शामिल हैं। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। दो दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने डॉ. उमाशंकर मोहन्ती के नेतृत्व में हैंड्स-ऑन सत्रों में भाग लिया, जिसमें निम्नलिखित विषयों को जैसे : लम्बो-पेल्विक कॉम्प्लेक्स डिसफंक्शन के आकलन की तकनीकें, लम्बर स्पाइन और सैक्रों-इलियाक जॉइंट्स के लिए मॉबिलाइजेशन तकनीकें, आम स्थितियों जैसे कि लो बैक पेन और सैक्रों-इलियाक जॉइंट डिसफंक्शन के लिए मैनुअल थेरेपी तकनीकों का व्यावहारिक अनुप्रयोग को शामिल किया गया। श्री बिभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ वर्कशॉप का समापन हुआ। एनआईएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विश्वामित्र : 23 फरवरी, 2026

23rd February 2026, Vishwamitra

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल विकास पर जोर

रविवार को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान की कार्यशाला के उद्घाटन के मौके पर विशिष्टजन● जागरण

जागरण संवाददाता, कोलकाता : राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना था। कार्यशाला का उद्घाटन डा. ललित नारायण, निदेशक, एनआइएलडी, कोलकाता ने डा. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-सह-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआइएलडी, प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआइएलडी, कोलकाता और डा. उमाशंकर मोहंती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन आफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष की उपस्थिति में किया। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बिभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

दैनिक जागरण दैनिक जागरण 23 फरवरी, 2026

23rd February 2026, Dainik Jagran

লাম্বো-পেলভিক কমপ্লেক্সে ম্যানুয়াল থেরাপি: রাষ্ট্রীয় গতিশীল দিব্যাঙ্গজন সংস্থান-এ দুই দিনের হ্যান্ডস-অন কর্মশালা

সুপ্রভাত বাংলা: নিতাই মালাকার: কলকাতা:

सुप्रभात बांगला : 23 फरवरी, 2026

February 2026, Supravat Bangla

एनआइएलडी का दो दिवसीय हैंड्स-ऑन वर्कशॉप आयोजित

प्रभात खबर दिनांक: 23 फरवरी, 2026

23rd February 2026, Prabhat Khabar

ফিজিওথেরাপিস্টদের দক্ষতায় জোর

আজকালের প্রতিবেদন

ফিজিওথেরাপিস্টদের দক্ষতা বাড়াতে দুদিনের কর্মশালার আয়োজন করল কলকাতার ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজ (দিব্যাঙ্গজন)-এর ফিজিওথেরাপি বিভাগ। ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তি কর্মশালায় অংশগ্রহণকারীদের শেখালেন লাম্বার স্পাইন এবং স্যাক্রো-ইলিয়াক জয়েন্টগুলির সঙ্গে সম্পর্কিত পেশি বা হাড়ের সমস্যার কীভাবে মূল্যায়ন করতে হবে। এবং ম্যানুয়াল থেরাপি কৌশল শেখান। ডাঃ উমাশঙ্কর মোহান্তি ম্যানুয়াল থেরাপি ফাউন্ডেশন অফ ইন্ডিয়ার প্রতিষ্ঠাতা সভাপতি। শনিবার থেকে রবিবার পর্যন্ত এই কর্মশালা হয়। অনুষ্ঠানে ছিলেন কলকাতার ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজ (দিব্যাঙ্গজন)-এর অধিকর্তা ড. ললিত নারায়ণ, এনআইএলডি'র সহকারী অধ্যাপক ও সহ-অধিকর্তা (প্রশিক্ষণ) ড. আমিদ ইকবাল, এনআইএলডি'র ফিজিওথেরাপি বিভাগের প্রধান ও সহকারী অধ্যাপক প্রবীণ কুমার-সহ অন্যরা। ফিজিওথেরাপি বিভাগের মোট ৭১ জন অংশ নেন কর্মশালায়। এছাড়া আরও অনেকে ছিলেন।

ন্যাশনাল ইনস্টিটিউট ফর লোকোমোটর ডিসঅ্যাবিলিটিজে কর্মশালার উদ্বোধন।

आजकल: 23 फरवरी, 2026 आजकल

23rd February 2026, Aajkal

फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल विकास पर जोर

जासं, कोलकाता: राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य फिजियोथेरेपी पेशेवरों के कौशल को बढ़ाना था। कार्यशाला का उद्घाटन डा. ललित नारायण, निदेशक, एनआइएलडी, कोलकाता ने डा. अमीद इकबाल, सहायक प्रोफेसर-सह-सहायक निदेशक (ट्रेनिंग), एनआइएलडी, प्रवीण कुमार, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (फिजियोथेरेपी), एनआइएलडी, कोलकाता और डा. उमाशंकर मोहंती, पीएचडी, मैनुअल थेरेपी फाउंडेशन आफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष की उपस्थिति में किया। फिजियोथेरेपी विभाग के कुल 71 प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। विभूति सरकार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। एनआइएलडी, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग ने फिजियोथेरेपी पेशेवरों के लिए निरंतर शिक्षा और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दैनिक जागरण(आसनशसोल संस्करण): 23 फरवरी, 2026

23rd February 2026, Dainik Jagran (Asansol edition)